Corporate talk on Corporate Governance held at ICFAI University – Nov 11, 2020

Morning India
www.sanmarglive.com
Ranchi, Thursday
12 November 2020

Corporate Talk on 'Corporate Governance' held at ICFAI University

Today, the ICFAI University Jharkhand organized a Corporate Lecture on "Corporate Governance". The Key Speaker was Mr. Joydeep Mookerjee, Chief Finance Officer, Vision Rx Lab, Kolkata, a subsidiary unit of Essilor International S.A., a French Multi National Company dealing with Ophthalmic Optics. All the faculty members and final year students of MBA, BBA and B.Com actively participated in the program.

Welcoming the participants to the first Corporate Talk, Prof. O.R.S. Rao, Vice Chancellor of the University said, "Good Corporate Governance is critical for short term sustenance and long term growth of Organizations. All of us have seen real-life examples of how companies with poor Corporate Governance collapsed, whereas those with good governance performed well even during COVID-19 times". "As it is the honesty and integrity of the Individual Managers that make the difference, it is important that every one of the students imbibe those qualities", Prof Rao added.

Explaining the fundamentals of Corporate Governance, Mr. Joydeep Mookerjee said, "Corporate Governance is the structure of rules, practices, and processes used to direct and manage a company. Good corporate governance helps companies build trust with investors and the community." He highlighted the importance of Corporate Governance giving examples of how poor governance destroyed value of all the stakeholders of Enron and Satyam Computers.

EXPLAINING THE FUNDAMENTALS OF CORPORATE GOVERNANCE, MR. JOYDEEP MOOKERJEE SAID, "CORPORATE GOVERNANCE IS THE STRUCTURE OF RULES, PRACTICES, AND PROCESSES USED TO DIRECT AND MANAGE A COMPANY. GOOD CORPORATE GOVERNANCE HELPS COMPANIES BUILD TRUST WITH INVESTORS AND THE COMMUNITY."

"While Accountability, Transparency, Responsibility and fairness are the pillars of Corporate Governance, Core Values of Honesty and Integrity of the Senior Managers are important to deliver good governance.", said Mr. Mookerjee.

The Corporate Talk was coordinated by Dr. Bhagabat Barik, Assistant Dean and Prof. Sumit Kumar Sinha, Faculty-in-charge, Corporate Relations under the guidance of by Prof. Arvind Kumar, Registrar of the University.

इक्फाई विवि में कॉरपोरेट गवर्नेंस पर व्याख्यान

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने कॉरपोरेट गवर्नेंस पर व्याख्यान का आयोजन बुधवार को किया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता जॉयदीप मुखर्जी, मुख्य वित्त अधिकारी विजन आरएक्स लैब, कोलकाता थे। सभी संकाय सदस्यों और एमबीए, बीबीए और बी कॉम के अंतिम वर्ष के छात्रों ने व्याख्यान कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, गुड कॉरपोरेट गवर्नेंस शॉर्ट टर्म सस्टेनेंस और ऑर्गनाइजेशंस के लॉन्ग टर्म ग्रोथ के लिए अहम है। कोविड-19 के इस दौर में हम सभी ने देखा कि कैसे खराब कॉरपोरेट गवर्नेंस वाली कंपनियां ढह गयीं, जबकि अच्छी कॉरपोरेट गवर्नेंस वाली कंपनियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। प्रो राव ने कहा की जैसा कि यह व्यक्तिगत प्रबंधकों की ईमानदारी और अखंडता को हर एक छात्र को उनके गुणों को आत्मसात करना चाहिए। व्याख्यान में कॉरपोरेट गवर्नेंस की बुनियादी बातों के बारे में बताते हुए जॉयदीप मुखर्जी ने कहा, कॉरपोरेट गवर्नेंस एक कंपनी को निर्देशित और प्रबंधित करने के लिए उपयोग किये जाने वाले नियमों, प्रथाओं और प्रक्रियाओं की संरचना है। अच्छा गवर्नेंस प्रशासन कंपनियों को निवेशकों और समुदाय के साथ विश्वास बनाने में मदद करता है। उन्होंने कॉरपोरेट गवर्नेंस के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें बताया गया है कि कैसे खराब प्रशासन ने एनरॉन और सत्यम कंप्यूटर के सभी हितधारकों का मूल्य नष्ट कर दिया। श्री मुखर्जी ने कहा की जवाबदेही, पारदर्शिता, जिम्मेदारी और निष्पक्षता कॉरपोरेट गवर्नेंस के स्तंभ हैं। व्याख्यान का समन्वय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार के मार्गदर्शन में डॉ भागवत बारिक, सहायक डीन व प्रो सुमित कुमार सिन्हा, संकाय प्रभारी, कॉरपोरेट रिलेशंस द्वारा किया गया।

इक्फाई विवि में कॉरपोरेट गवर्नेंस पर व्याख्यान आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में बुधवार को कारपोरेट गवर्नेंस पर एक कॉरपोरेट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता जॉयदीप मुखर्जी, मुख्य वित्त अधिकारी, विजन आरएक्स लैब, कोलकाता, ऑप्थेल्मिक ऑप्टिक्स से संबंधित एक फ्रेंच मल्टी नेशनल कंपनी एसलोलोर इंटरनेशनल की एक सहायक इकाई है। सभी संकाय सदस्यों और एमबीए, बीबीए और बी.कॉम के अंतिम वर्ष के छात्रों ने व्याख्यान कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। पहली कारपोरेट

टॉक में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, गुड कॉरपोरेट गवर्नेंस शॉर्ट टर्म सस्टेनेंस और ऑर्गेनाइजेशन्स के लॉन्ग टर्म ग्रोथ के लिए महत्वपूर्ण है। हम सभी कोविड-19 के इस दौर में देखा की कैसे खराब कॉरपोरेट गवर्नेंस वाली कंपनियां ढह गईं, जबकि अच्छी कॉरपोरेट गवर्नेंस वाली कंपनियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। प्रो. राव ने कहा कि व्यक्तिगत प्रबंधकों की ईमानदारी और अखंडता को हर एक छात्र को उनकी गुणों को आत्मसात करना चाहिए।

व्याख्यान में कॉरपोरेट कॉरपोरेट की बुनियादी बातों के बारे में बताते हुए जॉयदीप मुखर्जी ने कहा कि कॉरपोरेट गवर्नेंस एक कंपनी को निर्देशित और प्रबंधित करने के लिए उपयोग किये जाने वाले नियमों, प्रथाओं और प्रक्रियाओं की संरचना है। अच्छा कॉर्पोरेट प्रशासन कंपनियों को निवेशकों और समुदाय के साथ विश्वास बनाने में मदद करता है। उन्होंने कॉरपोरेट गवर्नेंस के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें बताया गया है कि कैसे खराब प्रशासन ने एनरॉन और सत्यम कंप्यूटर के सभी हितधारकों का मूल्य नष्ट कर दिया। श्री मुखर्जी ने कहा कि जवाबदेही, पारदर्शिता, जिम्मेदारी और निष्पक्षता कारपोरेट गवर्नेंस के स्तंभ हैं, वरिष्ठ प्रबंधकों की ईमानदारी और अखंडता के प्रमुख मूल्य सुशासन देने के लिए महत्वपूर्ण हैं। कॉरपोरेट व्याख्यान का समन्वय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार के मार्गदर्शन में डॉ भागवत बारिक, सहायक डीन और प्रो सुमित कुमार सिन्हा, संकाय प्रभारी, कॉरपोरेट रिलेशंस द्वारा किया गया।

इकफाई यूनिवर्सिटी में कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर हुआ व्याख्यान

एमबीए, बीबीए और बी कॉम के लास्ट इयर के छात्र शामिल

एक्सपर्ट्स ने किया संबोधित.

ranchi@inext.co.in

RANCHI(11 Nov.): इकफाई यूनिवर्सिटी झारखंड ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर एक व्याख्यान का आयोजन किया. व्याख्यान के मुख्य वक्ता विजन आरएक्स लैब, कोलकाता के मुख्य वित्त अधिकारी जॉयदीप मुखर्जी थे. सभी संकाय सदस्यों और एमबीए, बीबीए और बी कॉम के अंतिम वर्ष के छात्रों ने व्याख्यान में सक्रिय रूप से भाग लिया. पहली कॉर्पोरेट टॉक में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि गुड कॉरपोरेट गवर्नेंस शॉर्ट टर्म सस्टेनेंस और ऑर्गनाइजेशन्स के लॉन्ग टर्म ग्रोथ के लिए महत्वपूर्ण है. हम सभी ने कोविड-19 के इस दौर में देखा कि कैसे खराब कॉरपोरेट गवर्नेंस वाली कंपनियां ढह गईं, जबकि अच्छी कॉरपोरेट गवर्नेंस वाली कंपनियां ने अच्छा प्रदर्शन किया. कॉरपोरेट व्याख्यान का समन्वय यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार के मार्गदर्शन में डॉ भागवत बारिक, सहायक डीन और प्रो सुमित कुमार सिन्हा, संकाय प्रभारी, कॉरपोरेट रिलेशंस द्वारा किया गया.